इस लेख में आपको भारत की प्रमुख नदियाँ और उनके उद्गम स्थल बताएं गये हैं।

भारत की प्रमुख नदियाँ और उनके उद्गम स्थल

भारत में कई नदियाँ है जो देश के पारिस्थितिक, कृषि और सांस्कृतिक पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यहाँ भारत की कुछ प्रमुख नदियाँ और उनके उद्गम स्थल बताएं गये हैं। नदियाँ देश के लिए बेहद जरुरी होती है यह वहां नागरिको तथा प्रकृति के लिए आवश्यक होती है क्योकि यह उन्हें जल की आवश्यकता को आसानी से पूरा करती है। नदियों के कारण ही खेती सम्भव है, जो मानव जीवन का आधार है तथा नदियों के कारण कई तरह के व्यापार सम्भव हो सकें हैं जैसे - मछली का व्यापार, विद्युत उत्पादन, पर्यटन आदि। नदियों के द्वारा ही उद्योगों को जल मिल पाता है इसके कारण वह उत्पादन कर पाते हैं तथा आर्थिक रूप से भी देश को योगदान मिलता है। नदियाँ देश को आर्थिक रूप से मजबूत कर सकती है क्योकि यह पानी की आपूर्ति में आने वाले खर्च कम करती है, उद्योगों को सहयोग करती है, विद्युत उत्पादन में मदद करती है।

गंगा नदी

उत्तराखंड राज्य में गंगोत्री ग्लेशियर से उत्पन्न होकर, गंगा नदी उत्तरी भारत से होकर बहती है और पश्चिम बंगाल में बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। इसे हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है और इसका अत्यधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है।

यमुना नदी

गंगा की एक सहायक नदी यमुना नदी का स्रोत उत्तराखंड के यमुनोत्री ग्लेशियर में है। यह इलाहाबाद में गंगा में मिलने से पहले उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्यों से होकर बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी

ब्रह्मपुत्र नदी, भारत की प्रमुख नदियों में से एक है, जो तिब्बत से निकलती है और अरुणाचल प्रदेश से होकर भारत में प्रवेश करती है। यह तब असम से होकर बहती है, जहाँ यह दिबांग, लोहित और अन्य नदियों से जुड़ती है। ब्रह्मपुत्र अंततः बांग्लादेश में गंगा और मेघना नदियों में मिल जाती है।

सिंधु नदी

सिंधु नदी एशिया की सबसे लंबी नदियों में से एक है और इसका उद्गम तिब्बती पठार में है। यह जम्मू और कश्मीर में लद्दाख से होकर बहती है और फिर पाकिस्तान से होकर गुजरती है, जहाँ यह अंततः अरब सागर में मिल जाती है।

गोदावरी नदी

गोदावरी नदी, जिसे अक्सर दक्षिण गंगा (दक्षिण की गंगा) कहा जाता है, महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट से निकलती है। यह अंततः बंगाल की खाड़ी में शामिल होने से पहले तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के माध्यम से पूर्व की ओर बहती है।

कृष्णा नदी

महाराष्ट्र में महाबलेश्वर के पास पश्चिमी घाट में उत्पन्न होने वाली कृष्णा नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से होकर बहती है। यह आंध्र प्रदेश में हंसलदेवी में बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

नर्मदा नदी

नर्मदा नदी मध्य प्रदेश के अमरकंटक पठार से निकलती है। अरब सागर में मिलने से पहले यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर बहती है।

तापी नदी

तापी नदी, जिसे ताप्ती नदी के रूप में भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश में सतपुड़ा रेंज से निकलती है। यह महाराष्ट्र और गुजरात से होकर बहती है और फिर अरब सागर में मिल जाती है।

महानदी नदी

महानदी नदी का स्रोत छत्तीसगढ़ क्षेत्र में है और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले ओडिशा से होकर बहती है। यह ओडिशा राज्य की सबसे बड़ी नदी है।

कावेरी नदी

कर्नाटक में ब्रह्मगिरी पहाड़ियों से निकलकर कावेरी नदी कर्नाटक और तमिलनाडु से होकर बहती है। यह दक्षिणी भारत के सांस्कृतिक और कृषि परिदृश्य में इसके महत्व के लिए जाना जाता है।

ये नदियाँ, उनकी सहायक नदियों के साथ, सिंचाई, जल विद्युत उत्पादन के लिए जरुरी जल संसाधन प्रदान करती हैं, और पूरे भारत में विविध पारिस्थितिक तंत्रों के लिए जरुरी हैं। वे उन लाखों लोगों की सांस्कृतिक विरासत और दैनिक जीवन के भी अभिन्न अंग हैं जो इन नदियों के किनारे रहते हैं।